महाकाल मंदिर के नीचे खजाने का सुराग, जिसकी रक्षा करते हैं तक्षक नाग

वर्ष में एक बार नाग पंचमी को खुलता है यह मंदिर, नागचंद्रेश्वर प्रतिमा 11वीं शताब्दी में परमार राजा भोज द्वारा की गई स्थापित, सुल्तान शम्सुद्दीन इल्तुतमिश ने खजाना लूटने के लिए आक्रमण किया

नवभारत न्यूज

उज्जैन. भगवान महाकालेश्वर के मंदिर के द्वितीय तल पर भगवान नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन वर्ष में एक बार नाग पंचमी को होते हैं. यहां तक्षक नाग हजारों सालों से महाकाल मंदिर के नीचे गड़े खजाने और उसके मार्ग की रक्षा करते आ रहे हैं. किवंदती यह भी है कि नाग पंचमी पर 24 घंटे में एक बार स्वयं तक्षक भगवान शिव के दर्शन करने के लिए आते हैं.

नवभारत द्वारा जब ऐतिहासिक और पौराणिक कथा को लेकर जानकारी जुटाई तो सामने आया कि सुल्तान शम्सुद्दीन इल्तुतमिश विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकालेश्वर मंदिर के नीचे गड़े खजाने को लूटने के लिए आक्रमण किया जिसकी रक्षा तक्षक नाग द्वारा की गई, और आज तक भी स्वर्ण मुद्राएं, हीरे जवाहरात सुरक्षित है.

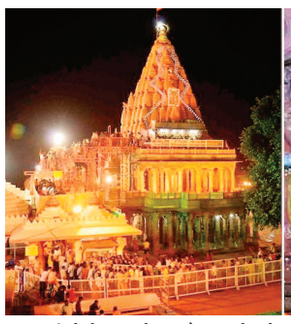

नेपाल से आई प्रतिमा

महाकाल मंदिर की ऊपरी मंजिल पर विराजित मूर्ति 7 वीं शताब्दी में नेपाल से उज्जैन लाई गई थी. यह शिव और देवी पार्वती की अत्यंत दुर्लभ मूर्ति है. जिसके पीछे तक्षक नाग है, जो सर्प शय्या पर विराजमान हैं, जो कि एक दुर्लभ दृश्य है. उज्जैन का नागचंद्रेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है.

मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार

इल्तुतमिश जैसे कई आक्रांताओं ने कई बार बाबा महाकाल के मंदिर पर आक्रमण किया, मंदिर के खजाने को लूटने का प्रयास किया. ऐसे में मंदिर का जीर्णोद्धार परमार राजा भोज ने 1050 ईस्वी के लगभग इस मंदिर का निर्माण करवाया था. उसके पश्चात 1732 में महाराज राणोजी सिंधिया ने किया. ऐसे ही कई राजाओं ने अपने-अपने कार्यकाल में मंदिर का समय-समय पर जीर्णोद्धार किया.

सर्प दोष से मुक्ति

भगवान नागचंद्रेश्वर का यह मंदिर साल में केवल एक बार, नाग पंचमी के दिन दर्शन के लिए खुलता है. मान्यता है कि इस मंदिर में नागराज तक्षक स्वयं विराजमान हैं और यहां दर्शन करने से सर्प दोष से मुक्ति मिलती है.

तक्षक ने शिव की तपस्या की

पौराणिक कथा के अनुसार नागराज तक्षक ने भगवान महाकाल की कठोर तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अमरत्व का वरदान दिया और महाकाल वन में उनके साथ रहने की अनुमति दी.

महानिर्वाणी अखाड़ा करता है पूजा

नागचंद्रेश्वर मंदिर की पूजा और व्यवस्था महानिर्वाणी अखाड़े के संन्यासियों द्वारा की जाती है. वर्षों तक प्रकाश पुरी महाराज भगवान नागचंदेश्वर मंदिर का पट खुलते ही पूजन करते थे, उनका देहांत होने के बाद अब अखाड़े में महंत विनीत गिरी महाराज आ गए हैं और वे ही नाग पंचमी पर इस मंदिर की पूजा अर्चना करते हैं.

डेढ़ माह में आएगा बरगी नहर का पानी : डॉ. मोहन

▶ सतना जिले के सिंहपुर में हुआ कार्यक्रम

सतना, 26 जुलाई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अगले डेढ़ माह में बरगी नहर का कार्य पूर्ण हो रहा है, इससे रीवा-सतना क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा. हमारी सरकार ने हर खेत तक पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है और हम इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सतना जिले के सिंहपुर में आयोजित मातृशक्ति उत्सव के अंतर्गत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2002-03 तक केवल 7 लाख

हेक्टेयर में सिंचाई सुविध उपलब्ध थी. वर्तमान में हम 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2028 तक 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है. प्रदेश में इस वर्ष 2600 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया गया. अगले दो साल में संभवत: 2700 रूपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जाए.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मंच पर लाडली बहनों ने 20 फीट की राखी स्नेहपूर्वक भेंट की और उनकी कलाई पर राखियां भी बांधी. कार्यक्रम में राज्य आजीविका मिशन की 10 स्व-सहायता समूहों को उन्होंने सीसीएल राशि के प्रतिकात्मक चेक भी वितरित किये. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्यारह नवांकुर बहनों को बीज रोपित पौधे भेंट किये. रक्षाबंधन के दिन यह नवांकुर बहनें इन पौधों को राखी बांधकर इनके पालन-पोषण का संकल्प लेंगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रैगाव विधानसभा क्षेत्र में सिंहपुर में प्रस्तावित सोलर प्लांट स्थापित करने आवश्यक पहल की जाएगी. उन्होंने कहा कि सरकार अक्षय ऊर्जा को बड़ावा देने सोलर पावर के लिए अनुदान दे रही है. किसानों के पंपों को ऊर्जीकृत करने सोलर ऊर्जा के लिए अनुदान दिया जा रहा है.

> नगरीय विकास मंत्री एवं सतना के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सतना जिले में 12 हजार से अधिक दीदीयां लखपति दीदी की श्रेणी में आ चुकी हैं. किसानों के कल्याण, युवाओं को उन्नति के अवसर उपलब्ध कराने और गरीबों को हरसंभव सहायता पहुंचाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है. राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने बघेली बोली में कहा कि मध्यप्रदेश में नारी शक्ति आज सशक्त होकर मजबूत बन रही है. रैगांव विधान सभा क्षेत्र में अब तक 5 अरब 3 करोड़ रुपए के विकास कार्य मौजूदा सरकार ने कराए है. सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अनेक नवाचार करते हुए योजनाओं को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया है.

मंत्रालय के गलियारों से

कन्हैया लोधी

पॉवर गेम इज ऑन

मंत्रालय में ताकतवर अफसरों के बीच पॉवर गेम लगातार ऑन है. पिछले दिनों दो ताकतवर अफसरों के बीच जोर-आजमाईश चर्चा का विषय बनी रही. अभी इन दो अफसरों के बीच जोर-आजमाईश का दौर जैसे-तैसे थमा भर थी कि अब एक बार फिर किसी दूसरे ताकतवर अफसर के साथ पॉवर गेम शुरू हो गया है. कुछ दिन पहले ही पांचवीं मंजिल में पदस्थ एक बड़े अफसर ने ऊपर की मंजिल से नीचे उतरे अफसर को एक नोटिस थमा दिया है, जिसमें उनके विभाग को डिफॉल्टर बता दिया गया है. उनके विभाग को चेतावनी दे दी गई है कि यदि बकाया जमा नहीं किया तो ठीक नहीं होगा. बाकायदा अंजाम भुगतने की चेतावनी अप्रत्यक्ष तरीके से दी गई है. अब देखना है कि साहब पर इसका क्या असर होता है.

नाराजगी दूसरे के लिये फायदेमंद

यदि सरकार नाराज हो जाये तो फिर इसकी कीमत अफसरों को चुकानी ही पड़ता है. कुछ ऐसा ही मामला कुछ माह पहले एक एसीएस स्तर के साथ हुआ था, सरकार की नाराजगी के चलते उन्हें मंत्रालय से विदा होना पड़ा था. विदा होने से पहले वे ऐसे महकमे में थे, जिसका कमान संभालने के लिये ज्यादातर अफसर एक पांव पर तैयार बैठे रहते हैं. अब स्थिति बदली, कुछ दिन पहले किसी दूसरे ही अफसर पर सरकार की नाराजगी का गाज गिरी, इसका फायदा पहले नाराजगी झेलने वाले अफसर को मिल गया. ताजा नाराजगी वाले अफसर की मंत्रालय से विदाई हो गई, तो पहले वाले की मंत्रालय में आमद हो गई. इसी को कहते हैं कि वक्त कभी भी एक जैसा नहीं रहता, कब बदल जाये कुछ कहा नहीं जा सकता.

एक मंत्री का रोड-शो जो पॉवर-शो माना गया

पिछले दिनों भाजपा के नये प्रदेश अध्यक्ष एक बड़े शहर में गये. यहां उनके स्वागत के लिये ऐसा माहौल बनाया गया कि जो कि अब तक दूसरे आयोजन को फीका कर गया. दरअसल यहां नये प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिये रो-शो का आयोजन किया गया. इस रोड-शो को जिले से सरोकार रखने वाले एक ताकतवर मंत्री का पॉवर-शो माना गया. ये इसलिये कि इस आयोजन से दूसरे बड़े नेता तो दूर ही दिखे, लेकिन मंत्रीजी पूरे समय सक्रिय रहे. इस दौरान उन्होंने दिखा दिया कि वे शहर में कितने ताकतवर हैं.

इस अदा के तो सभी कायल हैं

केंद्र में मंत्री पद की बड़ी जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश के एक बड़े नेता की अदा ही निराली है. साहब जब प्रदेश में थे, जो व्यस्तता ज्यादा ही थी, अब केंद्र में है तो भी वे अपने संसदीय क्षेत्र के लिये समय निकाल ही लेते हैं. पिछले दिनों वे अपने संसदीय क्षेत्र में थे, यहां सड़कों का बुरा हाल था, बाढ़ ने लोगों की तकलीफों को और बढ़ा दिया था. इन हालातों में साहब जनता के बीच पहुंच गये और ये विश्वास दिलाने में कामयाब रहे, कि इसके लिये वे जिम्मेदार नहीं है. जनता ने भी उनकी बातों पर भरोसा किया. इसे ही कहते हैं नेता और नेतृत्व की कला में निपुण नेता.... जय हो.

हरियाली वादियों का हेरिटेज ट्रेन से सफर शुरू

▶ रिमझिम बारिश के बीच मौसम का आनंद उठाने सैकड़ों पर्यटक पहुंचे

इंदौर/ महू. तहसील महू के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पातालपानी से कालाकुंड के बीच हेरिटेज ट्रेन का संचालन शनिवार से फिर शुरू हो गया है. रिमझिम बारिश के बीच पारदर्शी कोच से वादियों और झरनों का नजारा देखते हुए यात्रियों ने पहले दिन का सफर पूरा किया. यह ट्रेन फिलहाल सिर्फ शनिवार और रविवार को ही चलाई जा रही है. यात्रियों का कहना है कि अगर यह ट्रेन मानसून सीजन में पहले शुरू की जाती तो और भी अच्छा होता.

24 अगस्त तक बुकिंग फुल

हेरिटेज ट्रेन का संचालन दिसंबर 2018 में शुरू किया गया था. कोविड काल को छोड़कर हर साल इसका संचालन किया जाता रहा है. यह ट्रेन पातालपानी से कालाकुंड के बीच 10 किलोमीटर के हिस्से में चलाई थी. रेलवे की वेबसाइट पर 24 अगस्त तक इस ट्रेन की बुकिंग पूरी तरह से भर चुकी है. इस कारण अन्य यात्रियों में निराशा देखी जा रही है. यात्रियों की मांग है कि इस ट्रेन को हफ्ते में सिर्फ दो दिन नहीं बल्कि पूरे हफ्ते चलाया जाए.

ट्रेन का संचालन समय सुबह 11.05 बजे पातालपानी रेलवे स्टेशन से शुरू होकर दोपहर 1.05 बजे कालाकुंड पहुंचने का है. वापसी यात्रा दोपहर 3.30 बजे कालाकुंड से शुरू होकर शाम 4.30 बजे पातालपानी पहुंचने की है. ट्रेन का पहला स्टॉप पातालपानी वॉटरफॉल रहा. यहां ट्रेन रुकते ही यात्रियों में उत्साह देखने को मिला. बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने रिमझिम बारिश के बीच मौसम का आनंद लिया.

किसानों के साथ सरकार कर रही धोखाधड़ी

▶ पूर्व सीएम दिग्विजय ने लगाए कई गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 26 जुलाई. मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2001 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) शुरू किया, जिसे कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण लागू करता है. इसका उद्देश्य जैविक उत्पादों के निर्यात को प्रमाणित और विनियमित करना है.

इस ढांचे के तहत, एनपीओपी प्रमाणन निकायों (सीबीएस) को मान्यता देता है, जो आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का सत्यापन करती हैं. आईसीएस 25 से 500 किसानों के समूह होते हैं, जो जैविक कपास उगाते हैं. वर्तमान में लगभग 6,046 आईसीएस और 35 सीबीएस हैं. प्रक्रिया ट्रेकनेट नामक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के

माध्यम से संचालित होती है, जो जैविक उत्पादन का ट्रैक रखने और सत्यापन करने में मदद करता है. आईसीएस के सत्यापन के बाद एक ट्रांजैक्शन सर्टिफिकेट जारी किया जाता है, जो उस आईसीएस को जैविक घोषित करता है.

सबसे बड़ी समस्या यह : पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि ज्यादातर किसान जिन्हें आईसीएस में पंजीकृत बताया गया है, वे न तो जैविक कपास उगा रहे हैं और न ही इस प्रणाली में अपनी उपस्थिति के बारे में जानते हैं. मतलब, आईसीएस समूहों ने जानबूझकर धोखाधड़ी करके किसानों के नाम जोड़े हैं ताकि उन्हें ट्रांजैक्शन सर्टिफिकेट मिल सके.

मंत्री ने खुद मानी भर्ती में रिश्वत की बात

मध्यप्रदेश में 19 हजार से ज्यादा पदों पर हो रही है भर्ती

भोपाल,26 जुलाई. मप्र की मोहन सरकार के मंत्री नागरसिंह चौहान ने आंगनवाड़ी भर्ती को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने स्वीकार किया कि नियुक्तियों में पैसों के लेन-देन की बात सामने आ रही है.

मंत्री का कहना है कि कुछ दलाल और सरकारी कर्मचारी नियुक्ति दिलाने के बदले में रिश्वत मांग रहे हैं. यह बयान तब आया है जब प्रदेश में 19,504 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसमें 2,027 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और 17,477 सहायिका के पद शामिल हैं. चौंकाने वाली बात यह है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया उसी अंचल से आती हैं, जहां नागरसिंह चौहान ने यह मामला उठाया है, चौहान ने अलीराजपुर जिले में चल रही गड़बड़ियों का वीडियो जारी किया है और कहा है कि ऐसी ही स्थितियां अन्य जिलों में भी हो सकती हैं.

> **विपक्ष ने मांगा जवाब**
>
> कांग्रेस ने इस बयान को सरकार की भर्ती प्रक्रिया पर सीधा सवाल बताया है. पार्टी का आरोप है कि यह भर्ती प्रक्रिया रोज़गार नहीं, धंधा बन चुकी है . अब तो खुद सरकार के मंत्री भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं. सरकार की तरफ से अब तक महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. लेकिन इतना तय है कि मंत्री चौहान के बयान के बाद सरकार पर भर्ती पारदर्शिता को लेकर दबाव बढ़ गया है.

स्कूल की छत से गिरा प्लास्टर, 33 छात्र बचे

शहडोल. सोहागपुर जनपद की बोडरी ग्राम पंचायत स्थित प्राथमिक स्कूल में शनिवार को अचानक छत का प्लास्टर गिर गया। उस समय 33 छात्र मौजूद थे। शिक्षक और छात्र भागकर बाहर निकले और बड़ा हादसा टल गया। स्कूल की इमारत वर्ष 1999 में बनी थी और अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7390/60